समावेशी कार्यबल के लिए लिंग तटस्थ प्रथाएं

धनाश्री मंदानी
फाउंडर, सलाम किसान

सलाम किसान, किसानों के लिए उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए डेटा– अंतर्दृष्टि द्वारा संचालित एक तकनीक–सक्षम व्यापक कृषि मंच है। यह एक ऑल–इन–वन समाधान है जो कृषि मूल्य श्रृंखला में विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाता है। इसके मूल में एक एकीकृत कृषि पारिस्थितिकी तंत्र है जो बुआई पूर्व तैयारियों से लेकर फसल कटाई के बाद की गतिविधियों तक कस्टम एआई–आधारित सहायता प्रदान करता है। हम एआई–संचालित टूल और सेवाओं से लैस डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे वे अपनी उपज और लाभप्रदता बढ़ा सकें।

पिछले साल सितंबर में लिंटा शेल्के वाघमारे महाराष्ट्र की पहली महिला ड्रोन पायलट बनीं। इस समाचार को पारंपरिक रूप से पुरुष–प्रधान क्षेत्रों में महिलाओं के प्रवेश के संकेतक के रूप में देखा गया।

सलाम किसान के तहत वर्तमान में हमारे पास 58,000 किसान हैं, जिनमें से 15 प्रतिशत महिलाएं हैं। अभी, लगभग 15 प्रतिशत से 18 प्रतिशत महिला किसान हैं। जिस चीज पर हमारा ध्यान केंद्रित रहा है वह कृषि में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना और इसे अधिक औपचारिक बनाना है क्योंकि महिलाएं पहले से ही मजदूरों के रूप में कृषि में भाग ले रही हैं, यह अधिकांशतः अनौपचारिक है। इसका सकल घरेलू उत्पाद में कोई हिसाब

नहीं है। इस कंपनी के साथ मेरा मुख्य लक्ष्य न केवल खेतों पर बल्कि हमारी कंपनी के भीतर भी महिलाओं के श्रम को औपचारिक बनाना है। हम ड्रोन पायलटों के मामले में भी महिला भर्ती पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। हम महाराष्ट्र में पहली महिला ड्रोन पायलट प्रशिक्षण के लिए उत्तरदायी थे, और वह देश की दूसरी महिला ड्रोन पायलट भी बनीं। इसलिए उसके बाद, हमने महिलाओं को ड्रोन पायलट के रूप में नियुक्त करने पर बहुत ध्यान केंद्रित किया। ड्रोन पायलट प्रशिक्षण में महिलाओं को सम्मिलित करने के लिए हमारे पास विशेष क्षमता निर्माण कार्यक्रम हैं।

मुझे भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के बीच भारी अंतर का अनुभव हुआ। जहां भारत में किसान हर साल +3,000 से कम कमाते हैं, वहीं अमेरिका में किसान औसतन +60,000 और +180,000 के बीच कमाते हैं। इस असमानता को देखते हुए, मैंने आगे अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और भारत में एक कृषि–आधारित कंपनी में इंटर्नशिप करने का निर्णय लिया।

इसने मुझे एक कॉल सेंटर स्थापित करने के लिए प्रेरित किया, जिसके माध्यम से मैंने 100 से अधिक किसानों और क्षेत्र के 50 से अधिक पेशेवरों के साथ बातचीत की। इन वार्तालापों से मुझे उन चुनौतियों को समझने में सहायता मिली जिनका उन्हें जमीनी स्तर पर सामना करना पड़ता है। लगभग 8 महीनों तक हमारे देश के कृषि कार्यों को ध्यान से देखने के बाद, मुझे अनुभव हुआ कि हम तकनीकी अपनाने के माध्यम से किसानों की उत्पादकता और लाभप्रदता में सुधार कर सकते हैं। इसलिए, सलाम किसान की स्थापना की गई, जो एक एग्रीटेक प्लेटफॉर्म है और देश भर के किसानों के लिए बुआई से पहले से लेकर कटाई के बाद तक डेटा–संचालित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करता है।

हम क्षेत्र में अंतराल को भरने के लिए कृषि मूल्य श्रृंखला से विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाते हैं।

मैंने छोटी उम्र से ही व्यवसाय चलाने की बारीकियाँ सीख ली हैं। कॉलेज में रहते हुए, मैं सलाम किसान की स्थापना करके एक उद्यमी बन गयी। आज, सलाम किसान ने एक साल से भी कम अवधि में अब तक 58,000 किसानों का आधार तैयार कर लिया है और 75 से अधिक लोगों की एक टीम स्थापित की है।

https://doi.org/10.52151/aet2024481.1728

एक व्यावसायिक परिवार में पले–बढ़े होने के कारण, मैंने अपना बचपन अपने दादा और पिता की उद्यमशीलता गतिविधियों में गहरी रुचि के साथ बिताया। मुझे याद है कि मैं अपने पिता को विविधता लाते हुए और आरम्भ से ही कई कंपनियां बनाते हुए देखकर मंत्रमुग्ध हो गयी थी। प्रभावशाली और स्केलेबल व्यवसाय बनाने के लिए मेरे पिता की कठोरता और उत्साह ने मुझे भी उसी रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया। इसी तरह, मेरे दादाजी ने मुझे 1960 के दशक की कहानियाँ सुनाईं, जहाँ उन्होंने वित्तीय अस्थिरता का सामना किया और एक सफल व्यवसाय बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।

मुझे लगता है कि एक नेता होने के बारे में मैंने जो सबसे महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं, वे इन दो सफल व्यक्तियों द्वारा पाली गई बेटी होने से मिले हैं। उन्होंने मुझे रिश्ते बनाने, लोगों के साथ विनम्रता से पेश आने और सबसे महत्वपूर्ण रूप से लचीलेपन की शक्ति का महत्व सिखाया। तीसरी पीढ़ी के उद्यमी के रूप में मेरी यात्रा शुरू करने के लिए उनके जीवन का अमूल्य ज्ञान काम आया।

भारत का कृषि तकनीक क्षेत्र आने वाले वर्षों में तीव्र वृद्धि और विकास की अपार संभावनाएं रखता है। भोजन की माँग बढ़ने और जलवायु अस्थिरता के कारण पैदावार पर असर पड़ने के कारण, हमारे किसानों को समर्थन देने के लिए नवोन्मेषी समाधानों की आवश्यकता पहले कभी नहीं थी। मैं इस परिवर्तन के मूल में सटीक कृषि, डिजिटल सलाह और भविष्य कहने वाला विश्लेषण की कल्पना करती हूँ – फसलों, मिट्टी के प्रकारों और खेत के आकार में उत्पादकता और स्थिरता को बढ़ाना है।

सलाम किसान कृषक समुदाय के लिए हमारे व्यापक, डेटा–संचालित समाधानों का विस्तार करके भारतीय कृषि में चल रही क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी ऐप–आधारित पेशकशों के माध्यम से महाराष्ट्र में जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के सफल ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, हम रणनीतिक

रूप से राष्ट्रीय विस्तार के लिए तैयार हैं। सलाम किसान के लिए मेरे दृष्टिकोण में हमारे एकीकृत मंच के माध्यम से भारतीय किसानों को सशक्त बनाना, हाइपरलोकल मौसम अलर्ट, अनुकूलित फसल सलाह, इनपुट और वित्त तक पहुँच और एंड–टू–एंड मार्केट लिंकेज की प्रस्तुति सम्मिलित है। मैं महिलाओं को कौशल निर्माण और उनकी आजीविका बढ़ाने में सहायता करके उनके सशक्तिकरण को भी सुविधाजनक बनाना चाहती हूँ।

- सलाम किसान विविध और समावेशी कार्यबल बनाने के लिए लिंग–तटस्थ नियुक्ति प्रथाओं को अपनाता है।

सी–सूट पदों में केवल 28 प्रतिशत महिलाएं हैं, जब आप कृषि और एजी–टेक को देखते हैं तो संख्या कम हो जाती है। उद्योग के बावजूद, लिंग तटस्थता और महिलाओं के लिए समान अवसर मेरे लिए व्यक्तिगत जीवन के लक्ष्य हैं और मुझे खुशी है कि मैं सलाम किसान के माध्यम से यह अंतर ला सकती हूँ।

यह देख कर प्रसन्नता होती है कि सरकार इसी तरह की पहल कर रही है, जिसमें उनकी आगामी योजना के अन्तर्गत 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को पूरे भारत में कृषि–ड्रोन प्राप्त होंगे। यह एग्रीटेक में विविधता के लिए नेतृत्व करने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। हमारा इरादा कृषि मूल्य श्रृंखला के सभी स्तरों पर महिला आवाजों को ऊपर उठाना है और हमारे राष्ट्र के पोषण के लिए समर्पित लाखों श्रम घंटों के योगदान को औपचारिक रूप से मान्यता देना है।

सलाम किसान सक्रिय रूप से जमीनी परियोजनाओं से जुड़ा हुआ है, जो भारत के नासिक में 100 महिलाओं को मशरूम की खेती का प्रशिक्षण देता है। यह पहल न केवल प्रशिक्षण प्रदान करती है बल्कि सेटअप लागत भी कवर करती है, जिससे प्रति व्यक्ति 18,000 रुपये का अपेक्षित आउटपुट मिलता है

हमने एक और परियोजना शुरू की है, जो नासिक बेल्ट में मशरूम की खेती है, जहां हमने उन महिला लाभार्थियों की पहचान की है जो कृषि में भाग लेती हैं, लेकिन अनौपचारिक तरीके से।

तो हम यहाँ उनके साथ क्या कर रहे हैं, हम नेपथ्य में मशरूम की खेती कर रहे हैं, जहाँ हम प्रत्येक महिला लाभार्थी से फसल चक्र के अंत में 18,000 रुपये कमाने की उम्मीद कर रहे हैं और हम प्रत्येक महिला की मशरूम की खेती से 15,000 से 18,000 रुपये की वापसी की उम्मीद कर रहे हैं।

- यह तकनीक–सक्षम कृषि मंच मात्र नहीं अपितु एक सकारात्मक बदलाव की ताकत है

हम फ्रंटियर एग्रीटेक में अग्रणी अनुसंधान के लिए समर्पित हैं, चाहे वह फसल रोग की निगरानी के लिए एआई–सक्षम छवि पहचान का उपयोग करना हो या उपज पूर्वानुमान के लिए उपग्रह डेटा और एमएल मॉडल को नियोजित करना हो। हमारे मजबूत ग्रामीण कार्यबल और कृषक समुदाय द्वारा हम पर दिए गए भरोसे के साथ, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि किसानों की आवश्यकतायें हमारे नवाचार के मूल में रहें।